

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	श्रावण 14, गुरुवार, शाके 1943-अगस्त 5, 2021 <i>Sravana 14, Thursday, Saka 1943- August 5, 2021</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

प्रपत्र -एम

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, जुलाई 15, 2021

संख्या 2 (7) वन/2021 :-चूंकि संलग्न अनुसूची में वर्णित वनभूमि एवं बंजर भूमि सरकार की सम्पत्तियाँ हैं या उनमें सरकार के स्वामित्व अधिकार हैं या उनकी सम्पूर्ण या आंशिक वन उपज पर सरकार का अधिकार है,

और चूंकि ऊपर कथित वनभूमि या बंजर भूमि को सरकार, राजस्थान वन अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अन्तर्गत संरक्षित वन के रूप में घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि, पूर्वोक्त भूमि पर सरकार और निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप अभी तक किसी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं,

और चूंकि, सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या पर सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना एवं उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा कि इस प्रक्रिया के समाप्त होने तक सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका रहेगी।

अब इसलिए राजस्थान अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम सं. 13) की धारा 29 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की जाँच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है और ऐसी जांच, साक्ष्य एवं अभिलेख उस प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि इस अधिनियम की धारा 6,7,8,10,11(2), 12, 13, 14, 17, 18 एवं 19 में प्रावहित है।

और इस अधिनियम की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, राजस्थान सरकार ऊपर कथित जांच एवं अभिलेख के विचारार्थ रहते, कथित वनभूमि एवं बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा संरक्षित (Protected) वन के रूप में घोषित करती है, परन्तु इससे व्यक्तियों या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी और न ही उन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

और इस अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से आरक्षित हो जावेंगे और पूर्वोक्त तारीख से कथित वन में पत्थर खोदना या चूना या लकड़ी का कोयला जलाया जाना अथवा

किसी भी प्रकार की वन उपज का संग्रहण किया जाना या निष्कासन करना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि की खुदाई या कृषि हेतु या भवन निर्माण हेतु या मवेशी चराने या अन्य प्रयोजनार्थ वन की सफाई करना या वनभूमि को खण्डित किया जाना निषिद्ध करती है।

1. अनुसूची (वनभूमि एवं बंजर भूमि की सूची)
2. अनुसूची (वनखण्ड में पेड़ प्रजातियों की सूची)

राज्यपाल की आज्ञा से,
बी. प्रवीण,
शासन सचिव (वन)।

अनुसूची प्रथम (वनभूमि एवं बंजर भूमि की सूची)

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	दिशा	दिशावार सीमा विवरण	राजस्व ग्राम	विवरण		
							खसरा नं.	क्षेत्रफल (हैक्टर)	भूमि किस्म
1	पिचियाक	बिलाडा	जोधपुर	उत्तर	नेशनल हाइव बाई पास व मौजा पिचियाक के खसरा नं. 691/9	पिचियाक	691/2	0.8090	गै.मु. वन विभाग
				दक्षिण	मौजा पिचियाक के खसरा नं. 691 की राजकीय भूमि				
				पश्चिम	मौजा पिचियाक के खसरा नं. 691/5, 691/7 एवं 691/6 की भूमि				
				पूर्व	मौजा पिचियाक के खसरा नं. 691/11 की भूमि			0.8090	हैक्टर

वनखण्ड बोरुन्दा द्वितीय अनुसूची

प्रस्तावित वनखण्ड में आने वाली वनस्पतियों के वानस्पतिक नामों की सूची

क्र.सं.	बोटनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	AzadirachtaIndica	नीम
2	DalbergiaSissoo	शीशम
3	Prosopis cineraria	खेजड़ी
4	PongamiaPinnata	करंज
5	ProsopisJuliflora	विलायती बबूल
6	Tecomellaundulata	रोहीडा
7	Eucalyptus	सफेदा
8	Acacia nilotica	देशी बबूल
9	DelonixRegia	गुलमोहर

प्रमाण -पत्र

वनखण्ड - पिचियाक

रेन्ज - बिलाड़ा

वनमंडल - जोधपुर

1. प्रारूप में दर्शाई गई भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबन्दी में राजकीय वन विभाग जंगलात के नाम से दर्ज है। इस भूमि पर वनविभाग द्वारा वानिकीय विकास कार्य करवाये गये हैं तथा यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमल दरामद है।
2. विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में प्रथम दृष्टया कोई अतिक्रमण, खनन कार्य नहीं किये हुए हैं।
3. प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है, जिन पर वानिकीय विकास कार्य किये गये हैं एवं भविष्य में किये जाने की सम्भावना है।
4. प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.10 से 0.30 तक का है एवं इन क्षेत्रों में मुख्य नीम, कुमठा, खेजडी, ज्यूलीफ्लोरा, टोटलिस, कैर रोहिडा एवं अन्य मिश्रित प्रजातियों के पेड़ एवं झाड़िया हैं।
5. प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वनविभाग के अधीन है तथा समीपवर्ती खातेदारी भूमिया वन सीमाओं से पृथक है एवं इससे प्रस्तावित वन क्षेत्रों के संरक्षण में कोई अवरोध नहीं होगा। विभागाधीन भूमियों का विकास कार्यों में उपयोग हो रहा है।
6. प्रस्तावित भूमियों का मानचित्र संलग्न है।
7. पूर्व में खसरावार भूमि का मौके पर सुविज्ञ रूप से सीमाज्ञान नहीं होने कारण अधिसूचना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे किन्तु अब सीमाज्ञान के पश्चात् नये प्रस्ताव प्रारूप बनाये जाकर प्रेषित किये जा रहे हैं।
8. इस वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।